

वाह वाह गुरू नानक निरंकार आ गया ।

निरंकार आ गया अवितार आ गया ॥

वेदी वंश में प्रभू प्रगटाय बाबा कालू का नाम बढ़ाया ।

देखि शोभा अपार भई माता बलहार सारे जग जैकार छा गया ॥१॥

देव फूलों की वर्षा वर्षावें होय गद् गद् गुण गीत गावें ।

मिटि सब अंधियार कोटि रवि उज्यार देखो कैसा कुमार आ गया ॥२॥

किया बाल विनोद सुखराशी गुरू नानक जी ईश अविनाशी ।

लखि मधुर कलोल सुनि मीठे मीठे बोल नर नारियों के मन भा गया ॥३॥

कर जनेऊ जब पाण्डा पढ़ावे गुरू सतिनाम सार सुणावे ।

कीया पांडा निहाल कहे धन्य धन्य बाल मेरा जीवन सुधार आ गया ॥४॥

बालु नानकु भैंस चरावे बैठि ध्यान समाधि लगावे ।

छाया करता है शेष आया बुलार नरेश देखि महा आनंद पा गया ॥५॥

गुरू वणिज करण जब चलिया संत संग महा पुरुष मिलिया ।

करि चरण जुझार किया सेवा सतिकार प्यारे संत सुखकार आ गया ॥६॥

गुरु सीधे का दुकान चलावे गरीब भूखो को मुफ्त लुटावे ।
लिए हाथ तकड़ी मुख नाम रटिड़ी हरी रोम रोम में समा गया ॥७॥

भोर रावी स्नान को जाते खड़े जल में ध्यान लगाते ।
मिले विष्णु भगवान दियो आदि जाप दान समय जगत उद्धार आ गया ॥८॥

गुरु वैकुण्ठ से जब आए तब वैराग्य हिय में छाए ।
छोड़ सब घर बार चले सैर को उदार प्रभू मिलावण हार आ गया ॥९॥

सब देशों में डेरा जमाया भूले भटिकों को मार्ग दिखाया ।
जपो सचा सतनाम दिया प्रेम का पैगाम कलि तारण करतार आ गया ॥१०॥

बजे घर घर निशान नगारे सब जै जै गुरु की उचारे ।
आए सारा जग जीत दीन्ही नाम परितीति श्री मैगसि रखवार आ गया ॥११॥